FOR EVALUATOR'S USE ONLY

Sub. Code : **36**

Optional Paper

Sanskrit Literature : Paper – II

Time : 3 Hours / Maximum Marks : 200 / Total Pages : 32

Evaluation Table (For Evaluator's Use Only)

PART-A				PART-B				PART-C			
QN.	E-1	E-2	AC	QN.	E-1	E-2	AC	QN.	E-1	E-2	AC
1				21				33			
2				22				34			
3				23				35			
4				24				36			
5				25				37			
6				26				38			
7				27				39			
8				28							
9				29							
10				30							
11				31							
12				32							
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
Total											
Evaluator's Sign											

Grand Total	
PART-A	
PART-B	
PART-C	
Total	
(–) Marks	
Final Total	

Marks in Words

Remarks of Evaluator/Chief Evaluator

Remarks of Scrutiniser

BLANK PAGE

नोट : समस्त २० प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये २ अंक निर्धारित हैं। उत्तर १५ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

१ रामायण के रचयिता कौन हैं और उस में कितने काण्ड हैं ?

२ महाकवि कालिदास के द्वारा रचे गये नाटकों के नाम लिखिए।

३ शूद्रक द्वारा विरचित प्रकरण का नाम लिखिए।

४ किरातार्जुनीय महाकाव्य में किरात कौन है ?

५ माघ का 'घण्टामाघ' नाम क्यों पड़ा ?

६ हितोपदेश के रचयिता कौन हैं ?

दण्डी कृत दशकुमारचरित के विभाजन का स्वरूप क्या है ?

सुबन्धु के गद्य काव्य का नाम और उस की विशेषता क्या है ?

वृद्धिसंज्ञाविधायक सूत्र कौन–सा है ?

१० 'कर्तव्यम्', 'करणीयम्', 'कार्यम्' – इन शब्दों के प्रकृति प्रत्यय लिखिए।

११ साधकतमं करणम् – सूत्र का क्या अर्थ है ?

१२ वेद कितने हैं ? उनके नाम लिखिए।

प्राचीन भारत में प्रचलित आश्रमों के नाम बताइये।

एध् धातु के लट् लकार के प्रथम पुरुष के रूप लिखिए।

प्राचीन भारतीय राज्यव्यवस्था में महासन्धिविग्रहिक का क्या काम था ?

१६ समावर्तन संस्कार का क्या अर्थ है ?

१७ 'मनोवृत्तिसुधारम्' के रचयिता कौन हैं और वे इस समय कहाँ रहते हैं ?

१८ 'बहिः' शब्द के योग में कौन सी विभक्ति होती है ?

खण्डकाव्य का लक्षण क्या है ?

'सन्धि' और 'समास' में क्या अन्तर है ?

नोट : समस्त १२ प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के ५ अंक निर्धारित हैं। उत्तर ५० शब्द अधिक नहीं होना चाहिए।

२१ भारवेरर्थगौरवम् – इस कथन का सप्रमाण विवेचन कीजिए।

२२ मुद्राराक्षसम् – नाटक के नाम की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

भारत के प्राचीन विश्वविद्यालय के रूप से विश्रुत तक्षशिला के बारे में लिखिए।

२५ उपनयन संस्कार का स्वरूप एवं महत्व लिखिए।

२६ अकथितञ्च – इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

भू, एध्, अद्, दिव्, चुर – इन पाँच धातुओं के लोट् लकार के सभी रूप लिखिए।

वानप्रस्थाश्रम की विशेषताएँ क्या थीं ?

२९ भारतीय संस्कृति के विकास में याग या वैदिक कर्मों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

३० भास नाटकचक्रम की व्याख्या कीजिए।

गद्यकाव्य में बाण भट्ट की विशेषता क्या है ?

'यतश्च निर्धारणम्' – इस सूत्र का आशय स्पष्ट कीजिए।

नोट : कोई भी ५ प्रश्न लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं। उत्तर २०० शब्द अधिक नहीं होना चाहिए।

३३ संस्कृत नाटक के उद्भव से सम्बद्ध विविध सिद्धान्तों का पर्यालोचन कीजिए।

३४ माघे सन्ति त्रयो गुणाः – इस कथन की विवेचना कीजिए।

[Contd...

३५ प्राचीन भारत की न्यायव्यवस्था पर धर्मशास्त्र ग्रन्थों के आधार पर एक निबन्ध लिखिए।

[Contd...

३६ विवाह एवं सीमन्तोन्नयन संस्कारों की प्रासङ्गिकता पर विवेचना कीजिए।

३७ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबंध लिखिए :

(१) परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ।
(२) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
(३) ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।
(४) सहसा विदधीत न क्रियाम् ।
(५) यस्तु क्रियावान् पुरुषः स एव ।

३८ अधोलिखित गद्य भाग का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

इयं हि भारतभूमिरेव विविधनर्तनविलासकारिण्या प्रकृतिदेव्या स्वक्रीडास्थली निर्मिता। तस्याः क्रीडाभूमेरलङ्करणाय तच्छरीरभावर्धनाय च षड्ऋतवः प्रतिवर्षं कालपर्यायेणात्र समायान्ति। संसारस्य कस्मिंश्चिद् देशे प्रचण्डग्रीष्मकोपः, क्वचित् शीताधिक्यं, कश्मिंश्चिद् देशे आवर्षं जलमेव वर्षति, अपरत्र च जलाभावेन नैरस्यं वरीवर्ति, क्वचिदपि च हिमपातात्यये न दुर्लभं जीवनयापनमिति ऋतूनामेकरसतया चेखिद्यन्ते प्रायेण सर्वे देशाः, परन्तु भारतवर्षं जवैतादशाः समशीतोष्णो देशो यत्र द्विमासावधि सर्वे ऋतवः समायान्ति, यत्र च ऋतूनां समीचीनं सामञ्जस्यं प्राप्यते।

[Contd...

२९ निम्नलिखित गद्यांश का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिये :

कर्तव्यपालन जीवन की आधारशिला है । प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करें । विद्याध्ययन, देश-जाति और समाज की सेवा, सदाचार का पालन, परोपकार करना आदि कर्तव्य है । कर्तव्यपालन से उन्नति होती है और प्रसन्नता प्राप्त होती है । अतः कर्तव्य का पालन निष्ठा पूर्वक करना चाहिए ।

[Contd...

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिए जगह

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिए जगह

[Contd...

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिए जगह